कुल पृष्ठ संख्या– 20 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 0028804

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	6	19	1
2	3	20	3
3	3	21	2
4	3	22	2
5	1½	23	/
6	1½	24	
7	1	25	
8	1	26	
9	1	27	
10	1	28	
11	1	29	
12	1	30	
13	1	31	
14	1	योग	39½
15	1	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	1½	अंकों में	शब्दों में
17	1½	40	चालीस
18	1½		

परीक्षक के हस्ताक्षर ____

संकेतांक 7 0 0 1 3

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

[redacted]

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन गुरुवार

दिनांक 19/2/2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181/2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	①	निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक .... में लिखिए
½	(i)	[ब] उद्भव
½	(ii)	[अ] रतम्
½	(iii)	[द] भानपुरा
½	(iv)	[अ] खीर
½	(v)	[स] संगमरमर की
½	(vi)	[अ] कृष्ण को
½	(vii)	[द] जब उसके साथ नजरों का बांकपन जुड़ जाता है
½	(viii)	[अ] चट्टान जैसा भारी

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
½	(ix)	[स] मछलियों को खिलाने
½	(x)	[द] पीसी हुई हल्दी
½	(xi)	[अ] सिक्किम
½	(xii)	[स] भारत छोड़कर
6		
	(2)	
½	(i)	6 / छः
½	(ii)	गुण
½	(iii)	विशेषण
½	(iv)	प्रत्यय
½	(v)	3 / तीन
½	(vi)	क्रिया
3		

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1½	(6)	बालगोबिन भगत ने अपने बेटे की मृत्यु के बाद अपनी बहू से कहा कि तुम उत्सव मनाओ की विरहिणी आत्मा परमात्मा से जाकर मिल गयी है। भगत जी ने बहू के भाई को बुलाकर स्वयं ने कहा कि इसकी दुसरी शादी करवा देना। भगत जी की बहू अपना शेष जीवन उनके चरणों में बीतना चाहती थी। लेकिन भगत जी ने कहा कि अगर तुम यहाँ से नही जाओगी तो मैं यहाँ से चला जाऊगा। इस कारण भगत जी की बहु उन्हे छोड़कर चली गयी थी।
	(7)	
½	(i)	[ब] मधुर वाणी
½	(ii)	[अ] कठिनाईयों का
½	(iii)	[अ] सकारात्मक
½	(iv)	शीर्षक = मीठी वाणी का महत्व / वाणी का महत्व

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1/2	(v)	मीठी वाणी से संबंधो मे घनिष्ठता आती हैं।
1/2	(vi)	व्यक्ति के व्यवहार की पहचान वाणी से होती हैं
3		
	(4)	
1/2	(i)	[ख] मातृभूमि को
1/2	(ii)	[अ] नीलाम्बर
1/2	(iii)	[द] प्रेम की
1/2	(iv)	शीर्षक = 'मातृभूमि का गुणगान'
1/2	(v)	कवि ने सूर्य - चन्द्र को युग मुकुट कहा हैं
1/2	(vi)	इस सुन्दर वेश का अभिषेक पयोद करता हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(5)

(i) अरब देश में फूँककर बजाए जाने वाले वाद्य यंत्र जिनमे नाड़ी (नरकट या रीड) होती हैं उसे 'नय' कहते हैं

1/2

(ii) शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात 'सुषिर वाद्यो मे शाह' की उपाधि दी गई हैं।

1/2

(iii) तानसेन द्वारा रची बंदिश ~~जो संगीत~~ ~~[illegible]~~ मे शहनाई, मुरली, वंशी, श्रृंगी एवं मोरचंग आदि का वर्णन आया हैं

1/2

2

(6)

(i) गोपियों ने ऊधौ अर्थात उद्धव को बड़भागी कहा हैं

1/2

(ii) पुरइनि पात जल के भीतर रहता हैं

1/2

(iii) भोरी - अबला गोपियो को कहा गया हैं।

1/2

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(15) भोलानाथ और उसके साथी कई तरह के खेल खेलते थे, जैसे घरोंदा बनाना, दुकान चलाना, बारात का खेल और परंपरागत खेल जैसे कंचे पिट्टू, गिल्ली-डंडा आदि खेल खेलते थे।
इन खेलो मे शारीरिक मेहनत, चतुराई और टीम भावना होती थी।

(1)

(17) प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से ही फसल बनती है प्रकृति से उचित तापमान, वायु की उपस्थिति, प्रकाश के सहयोग के कारण ही फसल का निर्माण होता है जबकि मनुष्य उसमे सिंचाई, बीज रोपण, कटाई तथा अन्य शारीरिक श्रम करता है अर्थात प्रकृति और मनुष्य दोनो के सहयोग से फसल का सृजन संभव है। अगर सिर्फ प्रकृति के सहयोग से फसल नही होती है और सिर्फ मानव श्रम से फसल नही होती है इसलिए यह कथन उपयुक्त है।

(1½)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(18) अनुभव से अनुभूति गहरी चीज हैं क्योंकि जब लेखक ने हिरोशिमा नामक स्थान पर अनुभव किया, और इन्होने परमाणु के प्रभाव से झुलसे एक पत्थर जिस पर एक व्यक्ति की छाया की अनुभूति करता हैं तो उसे लगता हैं कि अनुभव से अनुभूति गहरी चीज हैं क्योंकि अनुभव कम प्रभावशाली होती हैं जबकि अनुभूति अधिक प्रभावशाली होती हैं।

1½

(9) आग के आविष्कार के पीछे मुख्य प्रेरणा मनुष्य की आवश्यकता, पेट की भूख, ठंड से सुरक्षा, जंगली जानवरो से रक्षा और प्रकाश की आकांक्षा रही होगा। यह खोज अविकसित दिमाग वाले प्रारंभिक मानव द्वारा खुद को सुरक्षित और आरामदायक बनाने बनाने के लिए की गई थी। जिसमे चकमक पत्थर या लकड़ियो का घर्षण एक मुख्य कारण बना।

1

(15) आस्तीन का साप होना = धोखेबाज होना
वाक्य में प्रयोग = मैंने प्रकाश पर भरोसा किया, लेकिन वह तो आस्तीन का सांप निकला

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(20) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

(i) प्रस्तावना = व्यक्ति के लिए अगर जीवन में अच्छे व्यक्तित्व को प्राप्त करना है तो उसे अनुशासन मे रहना पड़ेगा, कोई भी महान आदमी बनता है तो उसमे अनुशासन का महत्व होता है। अगर अनुशासन रहित जीवन होगा तो वह निरर्थक होगा। और विद्यार्थी जीवन में अनुशासन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है।

(ii) अनुशासन का अर्थ और परिभाषा = अनुशासन में दो शब्द होते हैं एक अनु तथा दूसरा शासन होता है अनु का मतलब अन्तर्गत /नीचे होता है शासन का मतलब नियम से होता है। अगर कोई व्यक्ति शासन के अन्तर्गत रहकर काम करता है तो उसे अनुशासित कहा जाता है। यही इसकी परिभाषा है।

(iii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन = विद्यार्थी जीवन में अनुशासन अति महत्वपूर्ण होता है क्योंकि अगर विद्यार्थी जीवन में अनुशासित नही होगा तो वह कभी भी अपने जीवन में सफल नही हो पायेगा। अनुशासित जीवन ही सफल

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जीवन का महत्वपूर्ण आयाम है अगर व्यक्ति विद्यार्थी जीवन में अनुशासित रहना सीख गया है तो वह जीवन में कभी भी अनुशासन का अपमान नही करेगा

(IV) अनुशासन की उपयोगिता = अगर व्यक्ति में अनुशासन होगा तो वह व्यक्ति एक अच्छा व्यक्तित्व बनेगा, अनुशासित व्यक्ति ही महान बनता है इसके कई उदाहरण है जैसे - कलाम जी, महात्मा गांधी, आदि अपने जीवन मे अनुशासन को ही काफी महत्वपूर्ण मनाते है और वे चाहते थे कि भारत का हर नागरिक अनुशासित बने

(V) उपसंहार - इन सभी उपयुक्तो कथनो से हमे यह पता चला है कि मानव जीवन में हमे अनुशासित रहना चाहिए। अनुशासन के अंदर हम रहेंगे तो लोगो में हमारी अलग पहचान होगी। लोग हमे आदर देंगे, और हमारा सम्मान भी करेंगे

3

BSER-181-2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(9)	व्यक्तित्व सूरदास जी जन्म से दृष्टिहीन माने जाते हैं, फिर भी इन्होंने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत सजीव और सूक्ष्म वर्णन किया है, वे वल्लभाचार्य के शिष्य थे और अष्टछाप के प्रमुख कवि थे, उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल, विनम्र और भक्तिमय था कृतित्व = सूरदास की प्रमुख रचना सूरसागर है जिसमें उन्होंने कृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत मनोरम वर्णन किया है, इसके अलावा सूरसारावली और 'साहित्य लहरी' भी उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं। उनकी कविता मुख्यतः ब्रज भाषा में है और उनमें वात्सल्य, श्रृंगार और शांत रस का अद्भुत संगम देखने को मिलता है
1		
	(11)	फागुन मास में पेड़-पौधों के पत्ते गिरकर नये आते हैं तथा नये-नये फूल खिलते हैं एवं कवि ने बगीचों की सुन्दरता का मनमोहक वर्णन किया है। कवि ने प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन किया है।
1		

BSEB-18/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2)

सेवा में ,
राजकीय उच्च माध्यमिक
विद्यालय रावगढ़

विषय - शुल्क मुक्ति हेतु प्रार्थना पत्र

मान्यवर जी
सविनय नम्र निवेदन है कि मैं रितेश कलास X^{th} का छात्र हूं मैं एक गरीब परिवार से संबंध रखता हूं मेरे पिता जी की आर्थिक आय बहुत कम है इस कारण वे अन्य बच्चो की शुल्क को भर पाते हैं इसलिए आपसे विनम्र निवेदन है कि आप मेरी प्रार्थना पत्र को विनती समझकर शुल्क मुक्ति का कार्य करेंगे

2

दिनांक 01/2

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नाम - रितेश
कक्षा - X th

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(7) इस कहानी में लेखिका मन्नु ने अपने पिताजी की दुर्बलता का वर्णन किया है कि उनमे सबसे बड़ी दुर्बलता यश-लिप्सा थी। उनके जीवन का प्रमुख सिद्धांत था कि व्यक्ति को समाज में कुछ विशेष बनकर जीना चाहिए साधारण बनकर नहीं जीना चाहिए तथा इसी कारण वे चाहते थे कि लेखिका भी घर से बाहर निकलकर, समाज में सक्रिय नाम कमाये इसलिए वे मन्नु भंडारी को राजनीति में बहस करने को कहते थे।

1

(8) रसूलन बाई और बतूलन बाई के संगीत प्रेम के कारण अमीरुद्दीन। उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ को संगीत के प्रति आसक्ति हुई। इन्हीं दो गायिका बहनों रसूलन बाई और बतूलन बाई के गानों को सुनकर मिली हैं। इस प्रकार से उनकी अबोध उम्र में अनुभव की स्लेट पर संगीत की वर्णमाला इन्हीं गायिका बहनों के कारण उकेरी गई थी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(22) संक्षिप्तीकरण = जो कोमल भावों और स्वदेश प्रेम से ओत प्रोत, देश प्रेम के लिए आकर्षण की आवश्यकता नहीं होती है उसके लिए मनुष्य मात्र को स्वभाविक ममता है देश प्रेम का अंकुर सभी में विद्यमान है देशप्रेम मातृभूमि के नारे लगाने से नहीं होता है ऐसे लोग स्वार्थ त्याग कर, जान - जोखिम में डालकर देश की सेवा क्या करेंगे? आज ऐसे लोगों की आवश्यकता नहीं है।

~~अर्थात पराधीनता एक भयंकर अभिशाप है जिससे व्यक्ति को~~

~~(22) संक्षिप्तीकरण~~

(ii)
(22) पराधीनता एक भयंकर अभिशाप है जिसमें व्यक्ति को सपने मे भी सुख नहीं मिल पाता है
इसका अर्थ है कि किसी दूसरे के अधीन या गुलाम होकर जीवन जीना अत्यंत कष्टदायक होता है चाहे वहाँ पर मौलिक सुविधाऐ उपलब्ध है उसका कोई मान-सम्मान नहीं होता है उसका बौद्धिक व मानसिक विकास नही होता है
इस उक्ति को तुलसीदास ने रामचरितमानस मे लिखा है कि पक्षी को सोने के पिंजरे में रखने पर उसे उड़ने की स्वतंत्रता नही होता है इसके बजाय गरीबी में स्वतंत्रता अच्छी होती है

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	12	संगतकार कविता में कवि ने संगतकार यानि सहायक की भूमिका का महत्व बताया है कि जिस प्रकार संगीत के क्षेत्र में मुख्य गायक के साथ एक सहायक गायक होता है जब मुख्य संगीत गायक प्रदर्शन करता है तो सहायक गायक उसकी भारी आवाज के साथ अपनी हल्की तीखी आवाज को मिलाकर उसे प्रदर्शित करता है।
1	13	गैंगटोक का असली नाम गंतोक है इसका अर्थ होता है। पहाड़ यह सिक्किम की राजधानी है। इसका अर्थ पहाड़ों या पहाड़ों की चोटी होता है। इसे मेहनतकश बादशाहों का शहर भी कहा जाता है।
1	10	उत्साह कविता में बादल का चित्रण क्रांति के रूप में किया गया है क्योंकि उनका गरजना और उमड़ना क्रांति का रूप है। जिस प्रकार उमड़ते हैं और गरजते हैं इसी प्रकार क्रांति में भी होता है।

समाप्त

BSER-181-2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(18)	~~'उत्साह' कविता~~

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

योग 39½ साढ़े उनचालीस

26.2.26

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026